जालंधर, शनिवार 13 अप्रैल 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार
जहां हम नहीं होते हैं वहां हमारे गुण व अवगुण हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

अंबाला में फेमस कारोबारी की महिला तांत्रिक ने दी नरबलि

बोली- माता मांग रही थी 5 दिनों से बलि

जालंधर(हर्ष शर्मा): कैंट एरिया में बीते 2 दिन पहले हुई फेमस कारोबारी महेश गुप्ता की हत्या मामले में पुलिस बड़ा खुलासा किया है।

पुलिस के मुताबिक यह मामला नरबलि से हुआ जुड़ा है। माता को खुश करने के लिए महेश गुप्ता की हत्या की गई। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 2 महिलाओं समेत 1 शख्स को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी महिला प्रीति ने महेश की नरबलि का खुलासा किया। जिसके बाद पुलिस आरोपी महिला प्रीति के साथ वारदात में शामिल उसके पति हेमंत व ननद प्रिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया की सभी आरोपिया को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामला जादू-टोने से जुड़े होने के चलते पुलिस 2 दिन की रिमांड मांगेगी।

महेश की प्रिया से अच्छी जान पहचान थी

बताया जा रहा है कि आरोपी महिला प्रिया पहले महेश गुप्ता के पास काम थी।

पुलिस की माने तो प्रिया माता को खुश करने के लिए नरबलि देना चाहती थी। जिसके लिए उसने अपने जानकर महेश को माता की मूर्ति देने के बहाने घर बुलाया और उसकी सुनियोजित तरीके से हत्या कर दी।

मेहश को प्रिया ने इसलिए निशाना बनाया क्योंकि महेश उनका जानकार था और आसान टारगेट था यदि में बाहर से किसी को बुलाते तो उसका सब को पता चल जाता।

प्रिया ने अपने भाई व भाभी के साथ मिलकर महेश के गले मे चुन्नी डाली और महेश के प्राईवेट पार्ट पर चोट मारकर उसकी हत्या कर दी।

माता मांग रही थी नरबलि

पुलिस को आरोपी महिला ने बताया कि पिछले 4-5 दिन से उसमें माता आ रही थी, जोकि नरबलि मांग रही थी। नरबलि भी किसी बड़े आदमी की लेनी थी। महेश गुप्ता उनका परिचित भी था, इसलिए महेश गुप्ता को ही जाल में फंसाया और घर बुला बलि का बकरा बनाया।

भाई बोला-प्रिया को छोटी बहन मानता था महेश

पुलिस को सौंपी शिकायत में हिल रोड अंबाला कैंट निवासी रवि गुप्ता ने बताया कि उसके भाइयों के नाम विशाल गुप्ता, महेश गुप्ता व दीपक गुप्ता है। उन सभी भाइयों का अंबाला कैंट में श्री राम बाजार के नाम से कारोबार हैं। 10 अप्रैल को उसका भाई महेश गुप्ता सुबह 11 बजे बोलकर गया था कि प्रिया मुझे अपने घर बुला रही है। रवि ने बताया कि उसका भाई महेश सुंदर नगर निवासी प्रिया को अपनी छोटी बहन की तरह मानता था। इसी कारण वह प्रिया के घर सामान देने चला गया।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

पंजाब में आप को झटका, जस्टिस जोरा सिंह का फरीदकोट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। जस्टिस जोरा सिंह ने फरीदकोट लोकसभा सीट पर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। बरगाड़ी बेअदबी मामलों में पहला कमीशन जस्टिस जोरा सिंह कमीशन ही बना था।

जस्टिस जोरा सिंह ने कहा कि अकाली और कांग्रेस की तरह ही आम आदमी पार्टी भी जुमला पार्टी निकली। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने पार्टी में शामिल करवाते समय वायदा किया था कि कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी, पर नहीं की। अब वह लोगों के बीच अपनी बात लेकर जाएंगे।

जोरा सिंह ने कहा कि लोग चुटकुले सुनना पसंद नहीं करते। जो वायदे करे उसे पूरा करने वाली पार्टी को ही पसंद करते हैं।

ईडी के बाद CBI ने के कविता पर कसा शिकंजा, शराब घोटाले में किया गिरफ्तार

जालंधर (जतिन चौहान) : दिल्ली के कथित शराब घोटाले मामले में CBI ने बीआरएस नेता के. कविता को गिरफ्तार कर लिया है। के कविता फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं और तिहाड़ जेल में बंद हैं। सीबीआई ने के कविता से जेल में पूछताछ की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया था कि उसने के कविता से तिहाड़ जेल में पूछताछ की. सीबीआई ने ईडी और सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा (राउज एवेन्यू कोर्ट) को बताया कि अदालत के आदेश के बाद उसने छह अप्रैल को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कविता से पूछताछ की।

अदालत ने पांच अप्रैल को सीबीआई को कविता से जेल में पूछताछ की अनुमति दी थी। कविता ने उस आदेश को चुनौती दी है. राउज एवेन्यू कोर्ट 26 अप्रैल को इसपर सुनवाई करेगा। 23 अप्रैल तक बढ़ी थी न्यायिक हिरासत इससे पहले मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने BRS नेता के कविता की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी थी। के कविता ने कहा कि यह केस केवल बयानों पर आधारित है। मामला पूरी तरह बेतुका और राजनीति से प्रेरित है। विपक्षी नेताओं को टारगेट करने के लिए है। मामले में CBI मेरा बयान दर्ज कर चुकी है। जेल में CBI ने मेरे बयान लिए हैं।

के. कविता पर साउथ ग्रुप की प्रमुख सदस्य होने का आरोप लगाया गया है, जिसने कथित तौर पर दिल्ली में शराब लाइसेंसों के बड़े हिस्से के बदले में दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। तिहाड़ में हैं सीएम केजरीवाल, मनीष सिसोदिया इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। केजरीवाल 15 अप्रैल तक हिरासत में हैं। केजरीवाल को 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। इसी मामले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जेल नंबर एक में बंद हैं। आप के सांसद संजय सिंह भी इस मामले में गिरफ्तार किए गए थे। हालांकि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। वह जेल से बाहर हैं।

शिमला पुलिस ने पंजाब के पूर्व मंत्री सुच्चा सिंह लंगाह के बेटे के 15 लाख के बैंक खाते किए सीज

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : चिट्टा तस्करी में शिमला पुलिस के हत्थे चढ़े पंजाब के पूर्व मंत्री सुच्चा सिंह के बेटे प्रकाश सिंह व उसके चार साथियों पर शिकंजा कसता जा रहा है। पुलिस ने पूर्व मंत्री के बेटे प्रकाश सिंह के 15 लाख रुपये के बैंक खाते सीज कर दिए हैं। पुलिस सभी आरोपियों की ड्रग मनी की डिटेल खंगाल रही है। तीन दिन के रिमांड के दौरान पुलिस की जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। शुक्रवार को रिमांड पूरा होने के बाद शिमला पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर इनका रिमांड बढ़ाने का आग्रह किया। कोर्ट ने आरोपियों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। अब तक की जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार पांच अभियुक्तों में पूर्व मंत्री का बेटा मुख्य अभियुक्त है। वह अपने साथियों के साथ नशे के कारोबार को संचालित कर रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रकाश सिंह नाम के आरोपी के करीब 15 लाख रुपये के बैंक खाते सीज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नशा माफिया से जुड़े लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल, शिमला पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार शाम शिमला के पुराने बस स्टैंड के पास आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम ने आरोपियों के कब्जे से 42.89 ग्राम चिट्टे की खेप बरामद की है। पुलिस ने चिट्टे की खेप कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ सदर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया है।

दिल्ली में कन्हैया, संदीप और उदित पर दांव लगा सकती है कांग्रेस

जालंधर (सूरभि शर्मा) : कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली की अपने हिस्से की तीनों सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम तकरीबन तय कर लिए हैं। इसमें उत्तर पूर्व दिल्ली क्षेत्र से जेएनयू के पूर्व छात्र नेता कन्हैया कुमार, चांदनी चौक क्षेत्र से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित व उत्तर- पश्चिम दिल्ली क्षेत्र से पूर्व सांसद उदित राज के नाम शामिल हैं। संभवतः शुक्रवार को उम्मीदवारों की सूची जारी हो सकती है।

उधर, सूत्र बताते हैं कि अब भी दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का एक खेमा सूची में शामिल उम्मीदवारों के नामों से सहमत नहीं है। इनकी कोशिश सूची में बदलाव करवाने की है। सूत्रों के अनुसार उत्तर-पूर्व दिल्ली क्षेत्र से कन्हैया कुमार के नाम की प्रदेश कांग्रेस ने कभी भी सिफारिश नहीं की थी।

पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी उनको बिहार से चुनाव लड़वाना चाह रहा है,लेकिन बिहार में कांग्रेस का सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल इससे सहमत नहीं हुआ। ऐसे में कन्हैया कुमार को वहां से नहीं उतारा जा सका। अब पार्टी इनको उत्तर-पूर्व दिल्ली संसदीय सीट से चुनाव लड़ाने जा रही है।

इस क्षेत्र से भाजपा ने लगातार तीसरी बार अपने पूर्वांचली नेता मनोज तिवारी को टिकट दिया है। कांग्रेस का मानना है कि कन्हैया कुमार को दिल्ली में रह रहे पूर्वांचली ही नहीं, बल्कि दिल्ली के तमाम लोग जानते है।

इस कारण वह मनोज तिवारी को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस ने इस क्षेत्र से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित के अलावा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार व प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चतर सिंह के नाम भेजे थे। कांग्रेस आलाकमान ने उत्तर-पूर्व दिल्ली क्षेत्र से कन्हैया कुमार का नाम तय करने के कारण पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को चांदनी चौक क्षेत्र से चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया है। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस ने इस क्षेत्र से पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल व पूर्व विधायक अलका लांबा के नाम की सिफारिश की थी।

जयप्रकाश अग्रवाल इस क्षेत्र से तीन बार सांसद रह चुके है, जबकि लांबा इस क्षेत्र से एक बार विधायक चुनी जा चुकी है। संदीप दीक्षित पूर्वी दिल्ली क्षेत्र से दो बार सांसद चुने गए थे।

कांग्रेस आलाकमान ने उत्तर- पश्चिम दिल्ली से उदित राज के नाम पर मुहर लगाई है। प्रदेश कांग्रेस ने इस क्षेत्र से उनके नाम के साथ-साथ पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान व पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार का नाम भेजा था। हाल ही में उदित राज को हरियाणा के अंबाला से टिकट दैनै की भी चर्चा शुरू हुई थी।

समझौते में मिली तीन सीटों पर चली लंबी रस्साकशी

दिल्ली में कांग्रेस और आप मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। समझौते में चार सीटें आप और तीन सीटें कांग्रेस के खाते में आई हैं।

समझौते के तुरत बाद करीब डेढ़ महीने पहले आप ने अपने चारों सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया। वहीं, भाजपा के सातों प्रत्याशी मैदान में हैं। आप और भाजपा ने अपने-अपने स्तर पर चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है, लेकिन कांग्रेस अभी तक उम्मीदवारों के नाम भी तय नहीं सकी। सूत्र बताते हैं कि इसकी बड़ी वजह प्रदेश कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी और पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की कई बैठकों के बाद भी सहमति नही बन सकी थी। उम्मीदवारों के नामों के लेकर दोनों स्तर पर मतभेद था। प्रदेश कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, चांदनी चौक सीट से पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल एवं उत्तर पश्चिमी दिल्ली सीट से पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान का नाम प्रस्तावित किया था,जबकि सीईसी के स्तर पर कन्हैया कुमार, चांदनी चौक सीट से संदीप दीक्षित और उत्तर पश्चिमी दिल्ली सीट से उदित राज का नाम रख दिया गया। सूत्रों की मानें तो प्रदेश के एक खेमे के विरोध के बावजूद भी कांग्रेस आलाकमान ने फिलवक्त स्थिति का साफ कर दी है।

प्रदेश कांग्रेस का एक खेमा उम्मीदवारों के नामों से सहमत नहीं

सूत्रों ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस का एक खेमा तीनों क्षेत्रों के लिए तय किए गए उम्मीदवारों के नामों को लेकर असहमत है। उसने आलाकमान का अवगत कराया है कि ये तीनों उम्मीदवार चुनाव जीतने में सक्षम नहीं है। इस खेमे ने तीनों क्षेत्रों में इलाके के नेताओं के साथ-साथ इलाके की वस्तुस्थिति का तवज्जो देने की मांग की है। इस खेमे ने उत्तर पूर्व दिल्ली क्षेत्र से संदीप दीक्षित, चौ. अनिल चौधरी व चतर सिंह, चांदनी चौक से जयप्रकाश अग्रवाल और उत्तर पश्चिम दिल्ली क्षेत्र से राजकुमार चौहान व सुरेंद्र कुमार में से टिकट देने पर जोर दिया है।

जा छोड़ दे राजनीति...,जनरल डायर के डिनर विवाद को लेकर भिड़े मजीठिया और मान; मुख्यमंत्री ने किया ये दावा

जालंधर(सूरभि शर्मा) : मुख्यमंत्री भगवंत मान और शिरोमणि अकाली दल के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया एक्स पर भिड़ गए। दोनों ने एक दूसरे पर अपनी भड़ास निकाली। यह पहला मौका है जब दोनों ही नेता सार्वजनिक मंच पर एक दूसरे के आमने-सामने आए हो। हालांकि इससे पहले दोनों नेता एक दूसरे पर कटाक्ष करते रहे है। एक्स वार की शुरूआत हालांकि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने की। जिसके बाद यह मामला बढ़ता चला गया और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गया।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा: मजीठिया साहिब सच्चा सिंह लंगाह के बेटे के बारे में प्रेस कांफ्रेंस क्यों नहीं कीज्इसके भी मामा जी बनो।

मजीठिया ने शेयर किया वीडियो

मजीठिया ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान एक फोटो को भांजा व भांजी बता रहे है। मजीठिया ने लिखा, मान साहिब शर्म वाली बात है, आपकी घटिया सोच है, की आप सीरत (मुख्यमंत्री की पहली बेटी) की तुलना किस के साथ कर रहे हो। जिसने मीडिया के सामने अपनी बेटी को पहचानने से इंकार कर भांजी कह दिया। मान साहिब मैं तो मामा बन गया सीरत का। क्योंकि उसके साथ धक्का हुआ। धक्का किया किसने।

जलियावाला बाग कांड का किया जिक्र

जिस पर मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा। 13 अप्रैल 1919 को जलियावाला बाग कांड के बाद जनरल डायर के डिनर बारे बोलो..आपके घर किया था या नहीं? जो नहीं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा.. आपको कसम लगे पंजाबियों के सामने सच बोलो मजीठिया साहिबज्मजीठिया ने एक और वीडियो शेयर किया, जिसमें भगवंत मान कह रहे हैं कि सीरत मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं। मजीठिया ने लिखा, हमें बचपन से एक ही बात सिखाई गई। जो मां का नहीं वह किसी स्थान का नहीं। मां तो रब का रूप होती है। मां की झूठी कसम खाने वाला कसम की बात कर रहा है। जा कभी नहीं आया जनरल डायर हमारे घर! बाप का बेटा है तो छोड़ दे राजनीति।

कटी हुई टांगें, 4 टुकड़ों में लाश... लुधियाना में रूह कंपा देने वाली वारदात

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब के लुधियाना में रेलवे ट्रैक के पास सूटकेस में चार टुकड़ों में लाश मिलने से हड़कंप मच गया. घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी मौके पर पहुंची. इसके बाद जिला पुलिस को इसकी जानकारी दी गई. फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की गई. बताया जा रहा है कि रेलवे कर्मचारी (की-मैन) को पेट्रोलिंग के दौरान प्लास्टिक के बैग में कटी हुई टांगें नजर आईं. तुरंत ही उसने आरपीएफ को सूचित किया.

सूचना मिलते ही मौके पर आरपीएफ और जीआरपी की टीमें मौके पर पहुंची और जांच की. जांच अधिकारी ने बताया कि उन्हें कटी हुई लाश मिलने की सूचना मिली थी. जिसके बाद मोके पर पहुंचकर छानबीन की.

ब्रीफकेस में चार टुकड़ों में मिली युवक की लाश

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है. शुरुआती जांच में पुलिस यह मामला हत्या का लग रहा है. पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है. आपसास के थानों से भी संपर्क किया जा रहा है.

पुलिस कई एंगल से मामले की जांच में जुटी

बताया जा रहा है कि पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंची तो देखा कि लाइन के ऊपर बने फ्लाईओवर पर खून से लथपथ ब्रीफकेस पड़ा था. इसमें शव को टुकड़ों में काट कर लाया गया था. आरोपी पूरे शव को रेल लाइन पर नहीं फेंक सका और कुछ टुकड़े ब्रीफकेस में पड़े रह गए थे. इससे साफ हो रहा है कि यह मामला हत्या का है. पुलिस का कहना है कि जल्द ही हत्या के आरोपी को पकड़ लिया जाएगा.

पंजाब पुलिस को मिली बड़ी सफलता, आतंकी प्रभप्रीत सिंह जर्मनी को दिल्ली एयरपोर्ट से किया गिरफ्तार

जालंधर(जतिन चौहान) : आतंकवाद के विरुद्ध चल रही मुहिम के दौरान स्टेट स्पैशल ऑपरेशन सैल (एसएसओसी) अमृतसर ने जर्मनी आधारित संचालक प्रभप्रीत सिंह सिद्धू को दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से गिरफ्तार करके आतंकवादी भर्ती करने, फंडिंग देने और सहायता करने वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहाँ डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। साल 2020 में, एसएसओसी अमृतसर में गुप्त सूचना मिली थी कि केजैडएफ आतंकी जगदीश सिंह भूरा पंजाब में कुछ नामवर शख्सियतों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा है और इस काम को पूरा करने के लिए उसने अपने भारत आधारित साथियों को हथियार और वित्तीय सहायता प्रदान की थी। पंजाब पुलिस ने तेज़ी से कार्यवाही करते हुए इस मॉड्यूल के चार गुर्गों को गिरफ्तार करके इसका पर्दाफाश किया और उनके कब्ज़े से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए थे। इस संबंधी पुलिस द्वारा गैर-कानूनी गतिविधियों (निवारक) एक्ट (यूएपीए) की धाराएं 13, 17, 18, 18-बी और 20 और हथियार एक्ट की धारा 25 के अंतर्गत 19.12.2020 को थाना स्टेट स्पैशल ऑपरेशन सैल, अमृतसर में एफआईआर नं. 18 के अधीन मामला दर्ज किया गया था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पूछताछ

के दौरान गिरफ्तार किए गए मुलजिमों ने खुलासा किया था कि वह वांछित आतंकी जगदीश सिंह भूरा और उसके करीबी प्रभप्रीत सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए मुलजिमों ने यह भी खुलासा किया था कि वह नामवर शख्सीयतों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रभप्रीत जर्मनी में रह रहा था, इसलिए पंजाब पुलिस ने उसको इस केस में नामज़द करने के उपरांत उसको गिरफ्तार करने के लिए ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन, नयी दिल्ली के द्वारा उसके ख़िलाफ़ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करवा दिया था। डीजीपी ने कहा कि बुधवार को आईजीआई एयरपोर्ट दिल्ली के इमीग्रेशन अधिकारियों ने हमें प्रभप्रीत सिंह को हिरासत में लेने संबंधी सूचित किया। इसके उपरांत एसएसओसी अमृतसर की टीम दिल्ली पहुँची और दोषी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंधी और अधिक जानकारी देते हुए एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिन्दर सिंह मान ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि दोषी प्रभप्रीत 2017 में वैध वीज़े पर पोलैंड गया था और 2020 में सडक़ के रास्ते से जर्मनी चला गया था और जर्मनी में स्थायी निवास हासिल करने के लिए उसने राजनीतिक शरण के लिए आवेदन किया था। एआईजी ने बताया कि जर्मनी में रहते हुए यह मुलजिम बेल्जियम स्थित केजैडएफ आतंकवादी जगदीश सिंह भूरा के संपर्क में आया और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गया। एआईजी ने आगे कहा कि दोषी लक्षित कत्ल की वारदातों और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अपने भारतीय साथी के लिए फंडिंग और हथियारों का प्रबंध करता था। उन्होंने कहा कि प्रभप्रीत के पूरे नेटवर्क और जिस मॉड्यूल के लिए वह काम कर रहा है, का पर्दाफाश करने के लिए और पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पुलिस टीमों ने मुलजिम प्रभप्रीत को अदालत में पेश करके 15 अप्रैल 2024 तक पुलिस रिमांड हासिल कर लिया है।

केजरीवाल का PA तोते की तरह बोलेगा, सारे राज खोलेगा!

जालंधर (सूरभि शर्मा) : दिल्ली की सियासत में जिस तरीके से भूचाल आया हुआ है। ऐसे में कब क्या हो जाएगा इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता है। दिल्ली की सियासत में इस वक्त अरविंद केजरीवाल के जेल जाने से लेकर राघव चड्ढा के गायब होने की भी जोरो-शोरों से हो रही है।

लेकिन जब से अरविंद केजरीवाल को ईडी ने समन पर समन भेजना शुरू किया था तब से राघव चड्ढा लंदन से वापस नहीं आए हैं। एक तरफ तो अरविंद केजरीवाल जेल से सरकार चलाने का दावा ठोक रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल के चहेतों पर शिकंजा कसता जा रहा है। केजरीवाल को उम्मीद थी जमानत मिल जाएगी और वो जेल से बाहर आ जाएंगे। लेकिन ऐसा होता हुआ नजर नहीं आ रहा है। 24 घंटे के अंदर केजरीवाल को विभिन्न अदालतों से झटकों की हैट्रिक लगी। पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने देते हुए गिरफ्तारी को वैध बता दिया गया। वहीं राउज एवेन्यु कोर्ट ने वकील से पांच दिन मुलाकात वाली याचिका को खारिज कर दिया।

फिर केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में त्वरित सुनवाई के लिए पहुंचे। लेकिन वहां भी स्पेशल बेंच नहीं बनी। सीजेआई ने कहा कि ईमेल करें फिर इस पर विचार किया जाएगा।

सीएम के राजनीतिक सलाहाकार

जांच एजेंसी चार घंटे तक विभव से पूछताछ कर चुकी है। इससे पहले भी जांच एजेंसी ने समन भेजकर केजरीवाल के निजी सचिव से पूछताछ के लिए बुलाया था। विभव कुमार लंबे समय से केजरीवाल से जुड़े हुए हैं। आपको बता दें कि विभव कुमार सीएम के राजनीतिक सलाहाकार हैं और पार्टी व दिल्ली सरकार में पर्दे के पीछे रहकर ताकतवर तरीके से वो अपनी जिम्मेदारियां पूरी करते हैं। शायद इसलिए सरकार ने इन्हें 67 हजार तनख्वाह, 8700 जीपी और एक टाइप 5 बंगला, ऑफिस व फोन मिला है।

मंत्री ने छोड़ी पार्टी

अरविंद केजरीवाल सरकार के मंत्री राजकुमार आनंद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आनंद दिल्ली में समाज कल्याण मंत्रालय संभालते थे। यहां तक की शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग भी दिया गया था। हालांकि बाद में ये विभाग सौरभ भारद्वाज और आतिशी को आवंटित किए गए थे। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उनकी सरकार का जो रुख है उससे वो खफा है। दूसरी पार्टी ज्वाइन करने के सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि ऐसा कोई विचार नहीं है।

केजरीवाल की बढ़ेगी और मुश्किलें

विजिलेंस डिपार्टमेंट ने केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार को टर्मिनेट कर दिया है। हाल ही में ईडी ने विभव कुमार से पूछताथ की थी। ये पूछताछ कथित शराब घोटाला मामले में ही हुई थी। इन सब के बीच पीए को बड़ा झटका लगा है। माना जा रहा है कि ये केजरीवाल के लिए भी मुश्किल भरी घड़ी हो सकती है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के आदेश पर निदेशालय की तरफ से आदेश में कहा गया है कि उनकी सर्विस त्तकाल प्रभाव से समाप्त की जाती है। उनकी नियुक्ति के लिए प्रक्रिया और नियमों का पालन ठीक से नहीं किया गया है। इसलिए ये अवैध और अमान्य है। इससे पहले दिल्ली जल बोर्ड घोटाले में भी फरवरी के पहले हफ्ते में ही ईडी विभव कुमार के घर पर रेड कर चुकी है।

'CM ऑफिस में केजरीवाल से मिला शराब कारोबारी, फिर हुई कविता की एंट्री..', कोर्ट में CBI ने बताई पूरी बातचीत

जालंधर (हिमांशु) : दिल्ली शराब घोटाला मामले में BRS नेता के कविता की हिरासत की मांग करते हुए CBI ने आज

शुक्रवार को दिल्ली की अदालत के सामने दावा किया कि जांच के दौरान एक शराब कारोबारी से 100 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की साजिश में उनकी भूमिका सामने आई थी।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि दक्षिण के एक व्यापारी ने अरविंद केजरीवाल से उनके कार्यालय में मुलाकात की और उनका समर्थन मांगा और मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि के कविता उनसे संपर्क करेंगी। CBI ने कहा कि, दक्षिण के एक शराब व्यवसायी ने 16 मार्च, 2022 को दिल्ली में मुख्यमंत्री कार्यालय कक्ष में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से समर्थन मांगा। अरविंद केजरीवाल ने उन्हें आश्वासन दिया और कहा कि कविता इस संबंध में उनसे संपर्क करेंगी। केजरीवाल ने इस मदद के बदले में धन भी मांगा। CBI ने आगे दावा किया कि तेलंगाना के BRS नेता के कविता ने फिर उस व्यवसायी से संपर्क किया और उसे हैदराबाद में मिलने के लिए कहा। उन्होंने उस व्यक्ति की दिल्ली के मुख्यमंत्री से मुलाकात का संदर्भ दिया और यह भी कहा कि विजय नायर उनके संपर्क में थे। नायर, जो आम आदमी पार्टी के मीडिया समन्वयक थे, इस मामले में एक अन्य आरोपी हैं।

CBI ने यह भी दावा किया कि कविता ने व्यवसायी से कहा कि उन्हें 100 करोड़ रुपये की अग्रिम धनराशि की व्यवस्था करनी होगी और उनसे 50 करोड़ का योगदान करने के लिए कहा। CBI ने आगे कहा कि एक आरोपी विजय नायर को क्नेताओं की ओर से साउथ ग्रुप (सरथ रेड्डी, कविता, मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी द्वारा नियंत्रित) नामक समूह से कम से कम 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मिली। इस बीच, अदालत ने कविता की पांच दिन की हिरासत की मांग करने वाली सीबीआई की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी के बाद पहले से ही तिहाड़ जेल में बंद वथा को गुरुवार को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया था। हाल ही में जेल के अंदर कविता से पूछताछ करने वाली सीबीआई ने अदालत को बताया कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रही है और अपने जवाब देने में टाल-मटोल कर रही है। उनके वकील ने सीबीआई की याचिका का विरोध करते हुए गिरफ्तारी को अवैध बताया और जांच एजेंसी पर कविता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर लगी भीषण आग, किसानों ने लगाया सरकार पर आरोप

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन जारी है। इसी बीच गुरुवार को शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई थी। इसे लेकर किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों ने खुद ही पानी की बाल्टियों से आग पर काबू पाया।

इस आग के कारण किसानों को काफी नुकसान भी हुआ है। लेकिन इसके बाद किसी आधिकारी ने उसने आकर उनका हाल तक नहीं पूछा है। किसान-मजदूर मोर्चा के सदस्य और बीकेयू शहीद भगत सिंह के अध्यक्ष अमरजीत सिंह मोहड़ी द्वारा बिजली के प्रबंध का कम होने के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ है। इसे सरकार की कमी बताई जा रही है।

कई बार किया गया था सूचित : कहा जा रहा है कि किसान पिछले एक महीने से उचित व्यवस्था को लेकर सरकार को कई बार सूचित कर चुके थे, लेकिन इसके बाद भी किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। किसान नेता अमरजीत मोहड़ी ने कहा कि सरकार इन संसाधनों की ओर ध्यान दें, ताकि दोबारा ऐसा हादसा न हो।

आग के कारण हुआ नुकसान

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि गुरुवार को अचानक ही शॉर्ट सर्किट से किसानों के तंबू में आग लग गई। यह आग इतना ज्यादा फैल गया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली और 4 तंबू जलकर राख हो गए। इसे लेकर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि होशियारपुर की जत्थे बंदियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली जल गई है और साथ ही उन्होंने अफवाह न फैलाने की अपील की भी की।

किसान और सरकार में असहमति

किसान शंभू और खनौरी बॉर्डर पर अभी भी डटे हुए हैं। इस किसान आंदोलन को शुरू हुए 59 दिन बीत चुके हैं। 13,14 और 21 फरवरी को दिल्ली पर कूच के लिए टकराव भी हुए थे। जिसमें कई पुलिस कर्मचारियों सहित सैकड़ों किसानों को चोटें आई और मौत भी हुई। सरकार के साथ शुरुआती दौर में हुई 4 बार की वार्ता में भी किसान और सरकार के बीच सहमति नहीं बनी है।